सुविधा | पहले चरण के री-डेवलपमेंट प्लान की 1091 करोड़ की डीपीआर को मंजूरी

मेडिकल की बढ़ेगी क्षमता, बिस्तरों की संख्या होगी 3,046

हॉस्पिटल ब्लॉक, ओपीडी भवन, नर्सिंग कॉलेज, हॉस्टल और सुपर स्पेशलिटि हॉस्पिटल के नए भवन का निर्माण होगा

कलेक्टर ने की मेडिकल कॉलेज के री-डेवलपमेंट प्लान की समीक्षा

जबलपुर। नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज जबलपुर का विस्तार होगा और इस अस्पताल की क्षमता बढ़कर लगभग 3 हजार 046 बिस्तरों की हो जायेगी। इसके लिए री-डेवलपमेंट प्लान तैयार किया गया है। दो चरणों के इस री-डेवलपमेंट प्लान के पहले चरण की तैयार की गई डीपीआर की शाम कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने मेडिकल कॉलेज में आयोजित बैठक में समीक्षा की।

बैठक में बताया गया कि मेडिकल कॉलेज का री-डेवलपमेंट दो चरणों में पूरा होगा। पहले चरण में मेडिकल कॉलेज में 1200 बिस्तर क्षमता के भू-तल सहित नौ मंजिला दो नए हॉस्पिटल ब्लॉक, भू-तल सहित पांच मंजिला नया ओपीडी भवन, 300 बिस्तर क्षमता का सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल का नया भवन बनाया जायेगा व कैंसर हॉस्पिटल भवन का विस्तार किया जायेगा। इसके साथ ही मेडिकल कॉलेज परिसर में नर्सिंग कॉलेज, गर्ल्स एवं बॉयज हॉस्टल, नर्सिंग हॉस्टल, पीजी स्टूडेंटस के आवास के लिए नया भवन तथा स्पोर्टस कॉम्प्लेक्स का निर्माण भी किया जायेगा। मेडिकल कॉलेज के पहले चरण के री-डेवलपमेंट प्लान की डीपीआर तैयार कर ली गई है। लगभग 1 हजार 091 करोड़ रूपये की इस डीपीआर को स्वीकृति के लिए आयुक्त चिकित्सा शिक्षा को भेज दिया गया है।

ये रहे उपस्थित

बैठक में मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. नवनीत सक्सेना, अधीक्षक डॉ. अरविंद शर्मा, मेडिकल कॉलेज के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष व लोक निर्माण विभाग (पीआईयू) के कार्यपालन यंत्री मनीष शर्मा मौजूद थे।

री-डेवलपमेंट प्लान में आइसोलेशन वार्ड के निर्माण शामिल हो

कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने बैठक में मेडिकल कॉलेज के री-डेवलपमेंट प्लान में पेयजल आपूर्ति पर विशेष ध्यान दिये जाने पर जोर दिया। उन्होंने वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट के निर्माण को भी डीपीआर मे शामिल करने के निर्देश दिये। श्री सिंह ने मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दृष्टि से कई महत्वपूर्ण सुझाव भी दिये। उन्होंने कहा कि री-डेवलपमेंट प्लान में आइसोलेशन वार्ड के निर्माण को भी शामिल किया जाये। कलेक्टर ने चिकित्सा अधिकारियों एवं स्टाफ कर्मियों के लिए बनाये जाने वाले आवासों की जानकारी भी बैठक में ली।

रादुविवि में कंप्यूटर उपकरणों पर हाथ साफ

एमसीआर में कैद हुआ घटनाक्रम, दबाया जा रहा मामला

जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के एमसीआर विभाग (कंप्यूटर साइंस) में कंप्यूटर उपकरणों की चोरी हुई। वारदात के फुटेज कैमरे में कैद होने के बावजूद विश्वविद्यालय के जिम्मेदार मामले को दबाने की कोशिश कर रहे है। सूत्र बताते है कि रसूख के दबाव में पूरे मामले को दबाया जा रहा है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के एमसीआर विभाग (कंप्यूटर साइंस) म शनिवार को कम्प्यूटर उपकरणों को चोरी छिपे ले जाया गया । पूरा घटनाक्रम वहां लगी तीसरी आंख में कैद हुआ। कैमरों में नजर आ रहे संदिग्ध बाहरी व्यक्ति नहीं, बल्कि कर्मचारी संगठन से जुड़े रसूखदार कर्मचारी के करीबी बताये जा रहे है। चर्चा है कि अपनों को बचाने के लिए ही इस पूरे घटनाक्रम को दबाने का खेल शुरू हो गया है। चोरी जैसे गंभीर मामले पर विश्वविद्यालय के जिम्मेदार अधिकारी एक-दूसरे पर जिम्मेदारी टालते नजर आ रहे हैं। इस मामले में जब विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार रविशंकर सोनवाल से बात की गई, तो उन्होंने चोरी की शिकायत मिलने की पुष्टि तो की, लेकिन विस्तृत जानकारी होने से इनकार कर दिया। उन्होंने यह कहकर पल्ला झाड़ लिया कि मामले की पूरी जानकारी मेरे पास नहीं है, विभागाध्यक्ष ही विस्तार से बता पाएंगे। दूसरी ओर, जब विभागाध्यक्ष पदुला से संपर्क किया गया, तो उन्होंने भी स्पष्ट जानकारी देने के बजाय गोलमोल जवाब देते हुए मामले को रजिस्ट्रार के पाले में डाल दिया। विभागाध्यक्ष का कहना था कि उन्होंने अपनी रिपोर्ट रजिस्ट्रार कार्यालय को सौंप दी है, अब जानकारी वहीं से प्राप्त की जा सकती है। विश्वविद्यालय परिसर जहाँ 24 घंटे सुरक्षा का पहरा रहता है, वहाँ से उपकरण चोरी होना सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोलता है। सवाल यह उठता है कि यदि चोरों की पहचान सीसीटीवी के जरिए हो चुकी है, तो अब तक पुलिस में एफआईआर दर्ज क्यों नहीं कराई गई है। मामले को किसके कहने पर दबाने की पुरजोर कोशिश की जा रही है। फिलहाल, कम्प्यूटर उपकरण ले जाने वालों की पहचान को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हो पाई है।

कछपुरा संभागीय कार्यालय पहुंचे निगमायुक्त

नवभारत,जबलपुर। निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने मंगलवार को संभागीय कार्यालय कछपुरा का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यालय की कार्यप्रणाली का जायजा लिया और स्वच्छता से संबंधित कार्यों को पूरी पारदर्शिता व गति के साथ पूरा करने पर जोर दिया। निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान के अंतर्गत उपस्थित टीम के सदस्यों एवं अन्य अधिकारियों कर्मचारियों से फीडबैक फार्म भी भरवाया।

इस मौके पर निगमायुक्त ने संभागीय अधिकारी दिनेश प्रताप सिंह को निर्देश दिए कि कार्यालय की सभी व्यवस्थाएं चाक-चैबंद रखी जाएं। उन्होंने कहा कि कार्यालय आने वाले नागरिकों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो और उनकी समस्याओं का निराकरण त्वरित गति से किया जाए। अनुशासन और स्वच्छता को कार्यालय की प्राथमिकता में रखने की बात भी उन्होंने दोहराई। इस अवसर पर अपर आयुक्त अशफाक परवेज कुरैशी आदि भी उपस्थित रहे।

कलेक्ट्रेट बंगले के सामने हादसा

पोल से टकराकर पिचका ऑटो, गैस कटर से काटकर निकाले गए घायल

जबलपुर। सिविल लाइन थाना अंतर्गत कलेक्ट्रेट बंगाले के सामने मंगलवार रात एक तेज रफ्तार ऑटो अनियंत्रित होकर बिजली के खंभे से जा भिड़ा। भिड़ंत इतनी जोरदार थी कि ऑटो पूरी तरह पिचक गया और इस हादसे में चालक और उसमें बैठा एक युवक वाहन के भीतर ही बुरी तरह फंस गए। हादसे के बाद मौके पर राहगीरों की भारी भीड़ जमा हो गई। ऑटो की हालत देख लोगों के हाथ-पांव फूल गए क्योंकि घायल बुरी तरह अंदर दबे हुए थे। सूचना मिलते ही सिविल लाइन पुलिस बल मौके पर पहुँचा। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तुरंत गैस कटर मंगाया गया। पुलिस कर्मियों ने गैस कटर के जरिए ऑटो के लोहे के हिस्सों को काटकर रास्ता बनाया और कड़ी मशक्कत के बाद दोनों घायलों को बाहर निकाला। इसके बाद घायलों को तत्काल एम्बुलेंस से विक्टोरिया अस्पताल पहुँचाया गया। उनकी स्थिति अत्यंत नाजुक बनी हुई है। फिलहाल दोनों का इलाज जारी है।

पुलिस ने क्रेन बुलाकर क्षतिग्रस्त ऑटो को सड़क से हटवाया और थाने भिजवाया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ऑटो की रफ्तार इतनी अधिक थी कि चालक नियंत्रण खो बैठा और सीधे पोल से जा टकराया था।

ट्रेन के डिब्बे से दो शातिर चोर गिरफ्तार

जबलपुर, नवभारत। ट्रेनों और प्लेटफार्म में यात्रियों के कीमती मोबाइल फोन चोरी करने वाले दो आरोपियों को जीआरपी ने बीती रात को जबलपुर-मंडला फोर्ट पैसेंजर के कोच से पकड़ा है इन आरोपियों के पास से 67 हजार कीमत के मोबाइल फोन भी बरामद किये गये है। जीआरपी थाना जबलपुर की प्रभारी संजीवनी राजपूत के मुताबिक गत 10 मई को प्लेटफार्म पर चैकिंग के दौरान इटारसी छोर पर प्लेटफार्म नंबर 1 ए पर खड़ी ट्रेन 51703 जबलपुर मण्डला फोर्ट पैसेंजर के इंजन से पीछे वाले जनरल डिब्बे का गेट खुला हुआ दिखा तो स्टाफ डिब्बे मे चैक करने के लिये अंदर पहुंचे, जिसमें विकलांग केबिन में दो व्यक्ति बैठे हुये मिले वहां पर अन्य कोई यात्री नहीं था दोनों व्यक्ति पुलिस को देखकर सहम गये जिनसे नाम पता पूछने पर अपना नाम राकेश कोरी उर्फ अक्कू पिता कल्लू कोरी उम्र 30 वर्ष निवासी फकीर चन्द अखाडा विन्ध्य वासनी मंदिर के सामने सिन्धी कैम्प थाना हनुमानताल जिला जबलपुर व पंकज मकेश्वर पिता विनायक मकेश्वर उम्र 35 वर्ष निवासी फकीर चन्द अखाडा विन्ध्य वासनी मंदिर के सामने सिन्धी कैम्प थाना हनुमानताल का होना बताया दोनों ने स्टेशन आने एवं ट्रेन मे बैठने के बारे में पूछने पर कोई संतोष जनक जवाब नहीं दिये दोनों संदेहियों की जांच की गई तो उनके पास से चोरी के मोबाईल बेचने के लिये रखे होना बताया ।

पैंट की जेब से निकले महंगे मोबाइल

राकेश कोरी के द्वारा अपनी पेन्ट की जेब से दो रेडमी कम्पनी का मोबाईल कीमत लगभग 19000 रुपये व ओप्पो कम्पनी का मोबाईल कीमत 28000 रुपये का लगभग होना एवं संदेही पंकज मकेश्वर ने अपने पेन्ट की जेब से दो मोबाईल ओप्पो कम्पनी का कीमत 10000 रुपये का दूसरा मोबाईल वीवो कम्पनी का कीमत 10000 रूपये का निकालकर पेश किये ।दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है।